MAEC

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) उपाधि कार्यक्रम
(MAEC)

सत्रीय कार्य 2025–2026
तृतीय सेमेस्टर
(जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्र हेतु)

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

एम.ए. (अर्थशास्त्र) तृतीय सेमेस्टर
'सत्रीय कार्य 2025–2026

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमएईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30ः है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40ः अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपने बनाई है। सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

1) जुलाई 2025 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 है।

2) जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 है।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। अध्ययन केंद्र द्वारा आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेंः

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रम संयोजक

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

एम.ई.सी.–107 : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं विकास
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी–107
सत्रीय कार्य कोड : एमईसी–007/सत्रीय कार्य/2025-26

कुल अंक : 100

भाग क

1 क) दो देशों के बीच 'मुक्त व्यापार' को व्यापार न होने से बेहतर क्यों माना जाता है ? आलेख की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

(ख) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के रिकार्डियन सिद्धांत को एक रूपरेखा के रूप में उपयोग करते हुए स्पष्ट करें कि राष्ट्रों को व्यापार में संलग्न होने से लाभ कैसे प्राप्त होता है ?

2 किन कारकों ने अंतर–उद्योग व्यापार के विकास को प्रेरित किया ? व्याख्या करें। यह सिद्धांत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की हमारी समझ में कैसे योगदान देता है ?

भाग ख

3 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रतिरूप की व्याख्या करने के लिए आप प्रौद्योगिकीय अंतराल मॉडल को किस प्रकार लागू करेंगे? समझाएँ।

4 उत्पादन के स्थान और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर पर्यावरण मानकों और रसद लागत के प्रभाव की जाँच करें।

5 टैरिफ का व्यापार की मात्रा तथा व्यापार की शर्तों का (i) एक छोटे देश और (ii) एक बड़े देश पर क्या प्रभाव होगा? आरेख की सहायता से स्पष्ट करें।

6 पूँजीगत खाता परिवर्तनीयता (CAC) चालू खाता परिवर्तनीयता से किस प्रकार भिन्न हैं? किसी विकासशील देश के संदर्भ में कुछ परिस्थितियाँ बताएँ, जहाँ पूँजीगत खाता परिवर्तनीयता का प्रतिकूल प्रभाव हो।

7 विभिन्न प्रकार के अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजारों को सूचीबद्ध करें। अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय उपकरणों तथा वित्तीय बाजारों के महत्व कि व्याख्या कीजिए